वैदिक ज्योतिष में रत्न विज्ञान की भूमिका

ज्योतिषाचार्य
तेजस्कर पाण्डेय

वैदिक ज्योतिष भारतीय ज्ञान परंपरा की एक अत्यंत प्राचीन, गहन और बहुआयामी विद्या है, जिसका मूल उद्देश्य मानव जीवन को ब्रह्मांडीय नियमों के अनुरूप संतुलित, सार्थक और कल्याणकारी बनाना है. इस विद्या में ग्रहों की गति, उनकी स्थिति, दृष्टि, योग और दशाओं के माध्यम से व्यक्ति के जीवन में घटित होने वाली घटनाओं का सूक्ष्म विश्लेषण किया जाता है. वैदिक दृष्टिकोण में ग्रह केवल भौतिक पिंड नहीं हैं, बल्कि वे चेतन शक्तियों के प्रतीक हैं, जिनका प्रभाव मानव मन, शरीर और जीवन परिस्थितियों पर पड़ता है.

जब किसी जन्मकुंडली में ग्रह शुभ स्थिति में होते हैं, तो व्यक्ति के जीवन में सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन देखने को मिलता है, जबकि अशुभ या पीड़ित ग्रह जीवन में बाधा, संघर्ष, रोग, मानसिक तनाव और असफलता का कारण बन सकते हैं. इन्हीं ग्रहदोषों के परिमार्जन और संतुलन हेतु वैदिक ज्योतिष में विविध उपायों का विधान किया गया है, जिनमें मंत्र, जप, दान, व्रत, यज्ञ, रत्न धारण आदि प्रमुख हैं. इन उपायों में रत्न विज्ञान, जिसे आधुनिक भाषा में जेमोलॉजी कहा जाता है, का विशेष स्थान है, क्योंकि यह उपाय न केवल सरल है, बल्कि निरंतर प्रभाव देने वाला भी माना गया है.

रत्न विज्ञान का मूल आधार यह मान्यता है कि प्रत्येक ग्रह की अपनी विशिष्ट ऊर्जा, तरंग और रंग होता है, और पृथ्वी पर पाए जाने वाले कुछ विशिष्ट रत्न इन ग्रहों की ऊर्जा को संचित और प्रसारित करने की क्षमता रखते हैं. वैदिक ग्रंथों में नवग्रहों के लिए नव रत्नों का उल्लेख मिलता है, जैसे सूर्य के लिए माणिक्य, चंद्र के लिए मोती, मंगल के लिए मूंगा, बुध के लिए पन्ना, गुरु के लिए पुखराज, शुक्र के लिए हीरा, शनि के लिए नीलम, राहु के लिए गोमेद और केतु के लिए लहसुनिया. यह विश्वास किया जाता है कि उचित विधि से शुद्ध, प्रमाणिक और सही वजन का रत्न धारण करने से संबंधित ग्रह की शुभ ऊर्जा व्यक्ति तक पहुँचती है और ग्रहदोषों का शमन होता है. यह अवधारणा केवल आस्था पर आधारित नहीं है, बल्कि भारतीय दर्शन में वर्णित सूक्ष्म ऊर्जा सिद्धांतों से भी जुड़ी हुई है, जहाँ यह माना गया है कि ब्रह्मांड में सब कुछ ऊर्जा है और विभिन्न ऊर्जा तरंगें परस्पर प्रभाव डालती हैं.

वैदिक ज्योतिष में रत्नों की भूमिका को केवल सौंदर्य या आभूषण तक सीमित नहीं किया गया है, बल्कि उन्हें एक प्रकार का उपचारात्मक माध्यम माना गया है. जिस प्रकार आयुर्वेद में औषधियों द्वारा दोषों का संतुलन किया जाता है, उसी प्रकार ज्योतिष में रत्नों के माध्यम से ग्रहदोषों का संतुलन करने का प्रयास किया जाता है. यह संतुलन शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक तीनों स्तरों पर प्रभाव डालता है. उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में चंद्रमा पीड़ित हो, तो उसे मानसिक अशांति, चिंता, अनिद्रा या भावनात्मक अस्थिरता का सामना करना पड़ सकता है. ऐसे में मोती धारण करने से चंद्र की शीतल और सौम्य ऊर्जा व्यक्ति के मन को शांत करने में सहायक मानी जाती है. इसी प्रकार सूर्य के दुर्बल होने पर आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और स्वास्थ्य में कमी देखी जाती है, जिसके लिए माणिक्य को लाभकारी माना गया है.

रत्न विज्ञान और ज्योतिष के संबंध को समझने के लिए यह आवश्यक है कि हम ग्रहों की प्रकृति और उनके प्रभाव को गहराई से समझें. प्रत्येक ग्रह की अपनी एक विशिष्ट मनोवैज्ञानिक और भौतिक भूमिका होती है. सूर्य आत्मा, तेज, प्रतिष्ठा और सत्ता का कारक है; चंद्र मन, भावनाओं और माता का; मंगल साहस, ऊर्जा और रक्त का; बुध बुद्धि, वाणी और व्यापार का; गुरु ज्ञान, धर्म और विस्तार का; शुक्र भोग, सौंदर्य और संबंधों का; शनि कर्म, अनुशासन और संघर्ष का; राहु आकांक्षा, भ्रम और असामान्य घटनाओं का; तथा केतु वैराग्य, आध्यात्मिकता और विच्छेदन का प्रतिनिधित्व करता है. जब इनमें से कोई ग्रह अपनी प्राकृतिक या कार्यात्मक शुभता के बावजूद कुंडली में पीड़ित हो जाता है, तो उसके कारकत्व से जुड़े क्षेत्रों में समस्याएँ उत्पन्न होती हैं. रत्न धारण का उद्देश्य उस ग्रह की सकारात्मक शक्ति को सुदृढ़ करना होता है, ताकि वह अपने शुभ फल प्रदान कर सके.

वैदिक ज्योतिष में यह भी स्पष्ट किया गया है कि सभी को सभी रत्न धारण करना उचित नहीं होता. रत्न चयन एक अत्यंत सूक्ष्म और जिम्मेदारीपूर्ण प्रक्रिया है, जिसमें कुंडली का समग्र विश्लेषण आवश्यक होता है. ग्रह की स्थिति, उसका स्वामित्व, दशा, अंतरदशा, गोचर और कार्यात्मक शुभ-अशुभता को ध्यान में रखे बिना यदि रत्न धारण किया जाए, तो वह लाभ के स्थान पर हानि भी पहुँचा सकता है. उदाहरण के लिए, यदि किसी कुंडली में शनि योगकारक न होकर मारक या अशुभ फलदायक हो, तो नीलम धारण करने से शनि की अशुभ शक्ति और अधिक प्रबल हो सकती है. इसलिए वैदिक ज्योतिष में यह निर्देश दिया गया है कि रत्न केवल योग्य ज्योतिषीय परामर्श के पश्चात ही धारण किया जाए. रत्न विज्ञान की भूमिका को केवल ग्रहशक्ति बढ़ाने तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे ग्रहदोषों के परिष्कार और कर्मफल के संतुलन से भी जोड़ा गया है. भारतीय दर्शन में कर्म सिद्धांत अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसके अनुसार व्यक्ति अपने पूर्वजन्म और वर्तमान जन्म के कर्मों का फल भोगता है. ग्रह इन कर्मों के संकेतक और फलदाता माने जाते हैं. रत्न धारण को कर्मफल के परिष्कार का एक साधन माना गया है, जिससे व्यक्ति को कठिन कर्मों के फल को सहन करने की शक्ति मिलती है या उनके प्रभाव को कम किया जा सकता है. यह उपाय पूर्णतः भाग्य परिवर्तन का दावा नहीं करता, बल्कि जीवन में संतुलन और अनुकूलता लाने का माध्यम प्रस्तुत करता है.

आधुनिक जेमोलॉजी और पारंपरिक रत्न विज्ञान के बीच भी एक सेतु दिखाई देता है. आधुनिक विज्ञान रत्नों की संरचना, उनकी क्रिस्टल प्रणाली, प्रकाश अपवर्तन और विद्युत-चुंबकीय गुणों का अध्ययन करता है. यह देखा गया है कि रत्नों में विशिष्ट तरंगें और कंपन होते हैं, जो मानव शरीर की जैविक ऊर्जा से अंतःक्रिया कर सकते हैं. यद्यपि आधुनिक विज्ञान अभी तक ज्योतिषीय दावों की पूर्ण पुष्टि नहीं करता, फिर भी यह स्वीकार करता है कि कुछ खनिज और क्रिस्टल मानव मनोविज्ञान और स्वास्थ्य पर प्रभाव डाल सकते हैं.

पैसा गिरने पर शुभ बोलें, बढ़ेगी समृद्धि

भारतीय परंपरा और वास्तु शास्त्र में कहा जाता है कि पैसा गिर जाने पर उसे सम्मान और सही शब्दों के साथ उठाना चाहिए. ऐसा करने से धन की हानि नहीं होती और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है. विशेषज्ञ मानते हैं कि गिरा हुआ पैसा केवल भौतिक वस्तु नहीं है, बल्कि इसे शुभ संकेत और लक्ष्मी का प्रतीक मानकर संभालना चाहिए.

पैसा हमारे जीवन में न केवल आर्थिक सुरक्षा का साधन है, बल्कि इसे लेकर हमारी मानसिक और आध्यात्मिक सोच भी जुड़ी होती है. भारतीय संस्कृति में हमेशा यह सिखाया गया है कि पैसा गिर जाए तो इसे आदर और सकारात्मक सोच के साथ उठाना चाहिए. वास्तु और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पैसा भगवान लक्ष्मी का प्रतिनिधि माना जाता है. इसलिए इसे जमीन पर गिरा देखकर अनादर करना अशुभ माना जाता है. विशेषज्ञ बताते हैं कि जब पैसा गिरता है, तो इसे केवल उठाना ही पर्याप्त नहीं है. साथ में शुभ वचन बोलना अत्यंत जरूरी है. सबसे प्रचलित और प्रभावशाली मंत्र है: 'श्री महालक्ष्मी नमः'. इसे बोलते हुए पैसा उठाने से धन की सुरक्षा होती है और घर में समृद्धि बनी रहती है.

कुछ लोग कहते हैं कि गिरा हुआ पैसा उठाते समय सकारात्मक भाव व्यक्त करना चाहिए. उदाहरण के लिए 'धन-संपत्ति बनी रहे' या 'सभी के लिए शुभ हो' बोलना अच्छा माना जाता है. इस प्रक्रिया से न केवल धन की रक्षा होती है बल्कि मन में भी संतुलन और सकारात्मक ऊर्जा आती है. पैसा उठाने का तरीका भी महत्वपूर्ण माना जाता है. इसे साफ हाथों से उठाएं और पैर या जूते से मत छुएं. कई धार्मिक ग्रंथों में कहा गया है कि पैसा गिरने पर उसे जमीन से उठाते समय सम्मान दिखाना चाहिए.

तुलसी सूखना या अगरबत्ती जलाना

हिंदू धर्म और वास्तु शास्त्र में तुलसी और अगरबत्ती का विशेष महत्व माना जाता है. कहा जाता है कि तुलसी सुख जाए या मर जाए तो यह अशुभ संकेत हो सकता है, वहीं अगरबत्ती को सही तरीके से जलाना घर और मन में सकारात्मक ऊर्जा लाता है. तुलसी का महत्व और सुखना क्यों अशुभ माना जाता है तुलसी को घर में सुख, शांति और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है. यह धार्मिक और आयुर्वेदिक दृष्टि से भी अत्यंत लाभकारी पौधा है. घर के आंगन या पूजा स्थल पर तुलसी के सुखने से वास्तु और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अशुभ संकेत माना जाता है. माना जाता है कि तुलसी के सूखने पर घर में नकारात्मक ऊर्जा, तनाव और बाधाएं बढ़ सकती हैं. विशेषज्ञ बताते हैं कि तुलसी के सुखने के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे कि पानी की कमी, मिट्टी की खराब स्थिति, या पर्याप्त सूर्य की रोशनी न मिलना. धार्मिक दृष्टि से इसे एक चेतावनी भी माना जाता है कि घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने के लिए पूजा-पाठ और स्वच्छता पर ध्यान देने की आवश्यकता है.

तुलसी सुखने के दौरान किए जाने वाले उपाय नए स्थान पर लगाएं यदि तुलसी सुखने लगी है, तो इसे मिट्टी बदलकर नए स्थान पर लगाना शुभ माना जाता है. पूर्व या उत्तर दिशा में तुलसी लगाना लाभकारी होता है. पवित्र जल और गोबर की राख

तुलसी को रोजाना साफ पानी दें और मिट्टी में गोबर की राख मिलाएं. यह पौधे की उर्जा बढ़ाने और उसे पुनर्जीवित करने का

शुभ और अशुभ, उपाय

पारंपरिक उपाय माना जाता है. पूजा और ध्यान तुलसी की पूजा करें और उसके पास दीपक या अगरबत्ती जलाएं. ऐसा करने से घर में

सकारात्मक ऊर्जा और शुभता बनी रहती है. सकारात्मक मंत्र उच्चारण

तुलसी के पास 'तुलसी नमः' जैसे मंत्र का उच्चारण करने से पौधे और घर में शांति आती है. साफ-सफाई और नियमित देखभाल

तुलसी के आसपास की जगह हमेशा साफ और व्यवस्थित रखें. यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने और पौधे की वृद्धि में मदद करता है.अगरबत्ती जलाना: शुभ मान्यताएँ अगरबत्ती को घर में सही तरीके से जलाना धार्मिक और वास्तु दोनों दृष्टियों से शुभ माना जाता है. अगरबत्ती से निकलने वाली सुगंध घर में सकारात्मक ऊर्जा फैलाती है और नकारात्मक प्रभाव कम करती है. पूजा के सम रोजाना पूजा या प्रातःकाल अगरबत्ती जलाना घर में सुख-शांति लाता है.अध्यात्मिक लाभ अगरबत्ती जलाने से मानसिक शांति मिलती है और मन की एकाग्रता बढ़ती है. स्वच्छता और व्यवस्था अगरबत्ती के धुएं से वातावरण स्वच्छ और पवित्र बना रहता है. विशेष रूप से कहा जाता है कि तुलसी के पास अगरबत्ती जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि बनी रहती है. यह न केवल घर के वातावरण को संतुलित करता है, बल्कि परिवार के सदस्यों की मानसिक स्थिति पर भी अच्छा प्रभाव डालता है. अशुभ और बचाव उपाय तुलसी को बिना देखभाल के छोड़ना अशुभ माना जाता है. अगर तुलसी पूरी तरह सूख जाए, तो इसे सम्मानपूर्वक जमीन में दफन करना या किसी मंदिर में लगाना शुभ होता है. अगरबत्ती को हमेशा पूजा स्थल या घर के साफ-सुथरे कोने में जलाएं. नकारात्मक या अशुभ ऊर्जा वाले स्थान पर अगरबत्ती जलाना अशुभ प्रभाव डाल सकता है. तुलसी और अगरबत्ती दोनों ही घर में सकारात्मक ऊर्जा, सुख-शांति और समृद्धि का प्रतीक हैं.

नीला रंग : इंटरव्यू के लिए सबसे शुभ विकल्प

इंटरव्यू या किसी पेशेवर मीटिंग के दौरान रंगों का महत्व बहुत अधिक माना जाता है. रंग मनोविज्ञान के अनुसार, नीला रंग व्यक्ति को भरोसेमंद, शांत और नियंत्रित दिखाता है. यह रंग सोच-समझकर निर्णय लेने, आत्मविश्वास बनाए रखने और सकारात्मक प्रभाव छोड़ने में मदद करता है. इसलिए जब भी कोई इंटरव्यू या महत्वपूर्ण पेशेवर बैठक हो, नीला रंग सबसे सुरक्षित और शुभ विकल्प माना जाता है.

इंटरव्यू में पहला प्रभाव अक्सर आपके पहनावे और रंग से तय होता है. वास्तु और रंग मनोविज्ञान के अनुसार, नीला रंग शांति, आत्मविश्वास और पेशेवर व्यक्तित्व का प्रतीक है. इसे पहनकर आप न केवल सकारात्मक छवि बनाते हैं, बल्कि निर्णय लेने और तनावपूर्ण परिस्थितियों में संतुलित रहने की क्षमता भी दर्शाते हैं.

नीला रंग कई कारणों से इंटरव्यू के लिए आदर्श है. सबसे पहला कारण यह है कि नीला रंग मानसिक स्थिरता और संतुलन को बढ़ाता है. जब उम्मीदवार नीला पहनते हैं, तो वे अधिक शांत, केंद्रित और नियंत्रित दिखते हैं. इसके अलावा, नीला रंग भरोसे और ईमानदारी का प्रतीक भी माना जाता है. कई हायरिंग मैनेजर का अनुभव है कि नीला पहनने वाले उम्मीदवारों को पहली नजर में प्रोफेशनल और भरोसेमंद माना जाता है.वास्तु और रंगशास्त्र के अनुसार, नीला रंग जीवन में सकारात्मक ऊर्जा लाता है. यह तनाव और नकारात्मक विचारों को कम करने में मदद करता है. इंटरव्यू में तनाव अक्सर उम्मीदवार के प्रदर्शन को प्रभावित करता है, लेकिन नीला रंग पहनने से व्यक्ति मानसिक रूप से अधिक स्थिर और सकारात्मक रहता है. यही कारण है कि नीला रंग न केवल पेशेवर वातावरण के लिए उपयुक्त है, बल्कि यह आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है. नीला रंग विभिन्न शेड्स में उपलब्ध है, और हर शेड का अलग प्रभाव होता है. हल्का नीला या स्काई ब्लू रंग मित्रवत, शांत और खुलापन दर्शाता है. यह खासकर पहली बार इंटरव्यू देने वाले उम्मीदवारों के लिए उपयुक्त है. वहीं गहरा नीला या नेवी ब्लू रंग गंभीरता, पेशेवरता और आत्मविश्वास को दर्शाता है.

कॉर्पोरेट इंटरव्यू, बैंकिंग, सरकारी नौकरी या मैनेजमेंट पदों के लिए नेवी ब्लू सबसे श्रेष्ठ विकल्प माना जाता है. कई विशेषज्ञों का मानना है कि नीला रंग पहनने से इंटरव्यू देने वाले का व्यक्तित्व और भी संतुलित और सकारात्मक दिखाई देता है. जब उम्मीदवार नीला पहनते हैं, तो वे न केवल आत्मविश्वासी महसूस करते हैं बल्कि हायरिंग मैनेजर पर भी स्थायी प्रभाव छोड़ते हैं. यह रंग व्यक्तित्व को पेशेवर, भरोसेमंद और शांत बनाता है.

नीला रंग पहनने के साथ-साथ यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि इसे कैसे कॉम्बिन किया जाए. उदाहरण के लिए, हल्के नीले शर्ट के साथ नेवी ब्लू ब्लेज़र या सूट बहुत प्रभावशाली लगता है. महिलाओं के लिए हल्का नीला ब्लाउज या स्कर्ट कॉर्पोरेट सेटअप में बहुत अच्छा विकल्प है. इसके साथ सफेद या हल्का ग्रे एक्सेसरीज़ संतुलन और पेशेवर प्रभाव बढ़ाती हैं. नीला रंग केवल पेशेवर इंटरव्यू के लिए ही नहीं, बल्कि जीवन में निर्णय लेने, मानसिक स्थिरता बनाए रखने और सकारात्मक ऊर्जा के लिए भी लाभकारी है. रंग मनोविज्ञान के अनुसार, नीला पहनने से नकारात्मक विचार कम होते हैं और व्यक्ति अधिक केंद्रित और आत्मविश्वासी बनता है. इसलिए यह रंग न केवल बाहरी छवि को बेहतर बनाता है, बल्कि आंतरिक मानसिक स्थिति को भी सशक्त करता है.

संक्षेप में कहा जा सकता है कि इंटरव्यू के लिए नीला रंग सबसे शुभ और प्रभावशाली विकल्प है. यह न केवल आपके आत्मविश्वास, पेशेवर छवि और मानसिक संतुलन को बढ़ाता है, बल्कि हायरिंग मैनेजर पर भी सकारात्मक प्रभाव डालता है. हल्का नीला शेड मित्रवत और खुलापन दर्शाता है, जबकि गहरा नीला गंभीरता और पेशेवर व्यक्तित्व को दर्शाता है. सही शेड और कॉम्बिनेशन के साथ नीला रंग पहनने से इंटरव्यू में सफलता की संभावना बढ़ जाती है. अंत में, चाहे आप पहली बार इंटरव्यू दे रहे हों या किसी महत्वपूर्ण पद के लिए जा रहे हों, नीला रंग आपके लिए शुभ, सकारात्मक और आत्मविश्वास बढ़ाने वाला रंग साबित होता है. इसे पहनकर आप न केवल बाहरी रूप से पेशेवर दिखाई देंगे, बल्कि अपने आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा से इंटरव्यू में बेहतर प्रदर्शन भी कर पाएंगे.

राशिफल

दिनांक- 25 से 31 जनवरी 2026 तक

ज्योतिषाचार्य पंडित
प्रियंका नारायणशंकर व्यास,
कोतवाली बाजार,
जबलपुर मो.नं.
098266-21998

साप्ताहिक ग्रहस्थिति– इस सप्ताह सूर्य मकर राशि में, मंगल मकर राशि में, बुध मकर राशि में, वक्री गुरू मिथुन राशि में, शुक्र मकर राशि में, शनि मीन राशि में, राहु कुम्भ राशि में, केतु सिंह राशि में और चन्द्रमा मीन मेष वृषभ और मिथुन राशि में संचरण करेगा.

ग्रहयोगों का प्रभाव :– इस सप्ताह सोने चांदी के बाजार में उथल पुथल देखने को मिलेगी. सोने में जनरल लाइन तेजी की और चांदी में मंदी के रियेक्शन के साथ तेजी होगी. ता. 29 को मंगल श्रवण नक्षत्र में आकर सूर्य बुध एवं शुक्र के साथ सभी अनाजों एवं सोना, चांदी में एकदम से तेजी दे सकता है. जमीन और मकान में आंशिक तेजी देखने को मिलेगी.

पर्व/व्रत/त्यौहार :

रविवार	25 जनवरी को मां नर्मदा जन्मोत्सव, अचला/रथ सप्तमीं
सोमवार	26 जनवरी को भीष्माष्टमीं, भीष्म तर्पण
मंगलवार	27 जनवरी को महानदा नवमीं
गुरूवार	29 जनवरी को भीष्म एकादशी, जय/अजा एकादशी व्रत,
शुक्रवार	30 जनवरी को भीष्म द्वादशी, तिल द्वादशी, प्रदोष व्रत,

मेष

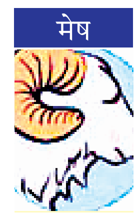

जिद में आकर गलत फैसला लेने से बचें, उच्च अध्ययन में सफ्लता मिलेगी, जिस योजना को लेकर काफी समय से प्रयास कर रहे थे, उसे अंजाम तक पहुंचाने में सफ्लता का योग है. नौकरी में स्थान बदलने का मौका मिल सकता है, घूमने फिरने के बहाने रिश्तेदारी में जा सकते हैं, उन्नति की संभावना है, वैवाहिक चर्चाओं में सफ्लता मिलेगी.

वृषभ

आपका पूरा ध्यान अपने कैरियर व भविष्य की योजनाओं की ओर रहेगा, नई योजनाओं को पूरा करने में सभी का सहयोग रहेगा, लोगों को अपनी बात समझाने में सफ्ल रहेंगे, राह में आ रही मुस्किलों का सामना करने पर कामयाबी मिलेगी, कार्य स्थल पर नई शुरूआत का अनुभव होगा. व्यस्तता के कारण परिवार को वक्त देना मुश्किल होगा.

मिथुन

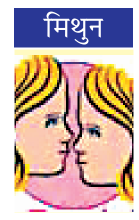

पुरानी परेशानी से छुटकारा मिलेगा, सामाजिक और पारिवारिक कार्यक्रमों में आपकी भागीदारी बढ़ेगी. पार्टियों का दौर जारी रहेगा, दायरा बढ़ाने की कोशिश में रहेंगे. मौजमस्ती छोड़कर कुछ काम करने का मन बनेगा, संपत्ति संबंधी मामले सुलझेंगे, सप्ताहान्त में विरोधियों से सजग रहकर कार्य करें, बुजुर्ग की सलाह पर ध्यान दें.

कर्क

अभी तक की गई मेहनत का लाभ मिलेगा. पारिवारिक व सामाजिक जीवन में अपने संबंधों को फिर से घनिष्ठ बनाने में मदद मिलेगी, मानसिक संतोष हेतु कुछ दिन के लिये घर से दूर जा सकते हैं, पारिवारिक सुरक्षा हेतु निवेश करेंगे, कार्यक्षेत्र में अधिकारियों से मेलजोल बढ़ायें, यह आपके लिये फायदेमंद होगा.

सिंह

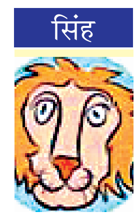

भाग्य अनुकूल बना रहने से मुश्किल कार्य भी आसानी से बनेगा, अपनी मंजिल तक पहुंचने के लिये आपने जितनी मेहनत की है, उसका लाभ मिलेगा, वैभव विलासिता पर खर्च होगा, जो लोग आपको नकारा समझते हैं, वे भी आपकी काबलियत की तारीफ करेंगे, सरकारी मामलों में कुछ विलंब हो सकता है, सौदे का मामला सुलझेगा.

कन्या

इस सप्ताह आर्थिक मामलों से निपटना होगा, पुराने कर्जो से छुटकारा पाने के लिये आपको योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ना पड़ेगा. पारिवारिक आयोजनों में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे, बच्चों के कैरियर को लेकर चिन्ता रह सकती है, मानसिक तनाव की स्थिति से छुटकारा मिलेगा, जिस पर विश्वास कर रहे हैं, वे लोग आपका साथ छोड़ सकते हैं.

तुला

नये संपर्क और नये व्यक्ति लाभदायक रहेंगे, आप सिर्फ लाभ पर ही ध्यान नहीं देंगे, अपितु रिश्ते बनाने का भी प्रयास करेंगे. आर्थिक स्थिति में सुधार के कारण दूसरों के कार्य में ध्यान देंगे, किसी कार्य के लिये की गई यात्रा लाभदायक सिद्ध होगी, अपने लगाव व नजरिये में बदलाव का अवसर मिलेगा, व्यक्तिगत जीवन में कार्य में सामंजस्य से आप कामयाब रहेंगे.

वृश्चिक

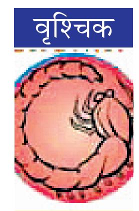

आपका यह सप्ताह प्रगति व सफ्लता लेकर आ रहा है, जो सपने आप देख रहे हैं उन्हें पूरा करने की राह बनेगी, अपनी वरिष्ठता और सामर्थ्य से ज्यादा जिम्मेदारी आने से आपका तनाव बढ़ सकता है, समाज में महत्वपूर्ण स्थान बनाने मे सफ्ल रहेंगे, दूसरों की मदद कर अपने मन को खुशी देंगे, कार्यस्थल पर अनिश्चय का माहौल बना रहेगा, संबंधों की फिर से समीक्षा करनी होगी.

धनु

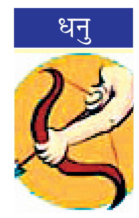

इस सप्ताह निजी संबंधों पर ध्यान देने का भरपूर समय मिलेगा, पुराने दोस्तों से मुलाकातों का दौर चलेगा, किसी भी योजना को आप इस तरह से अंजाम देंगे कि लोग आपकी तारीफ करेंगे, खर्च की अधिकता रहेगी, आपको आय के नये स्त्रोत तलाशना पड़ेंगे, घूमने का कार्यक्रम बन सकता है, दूसरों की मर्यादा का ध्यान रखें.

मकर

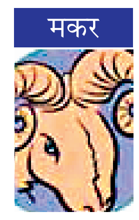

आपको अपनी अभिरूचियों व खुशियों पर ध्यान देने का अवसर मिलेगा, आप जो चाहते हैं, उसके अनुसार अपने कार्य बनाते चले जायेंगे, भाग्य भी आपकी मदद करेगा, हिम्मत और विश्वास में वृद्धि होगी, कैरियर में पहले से अच्छे प्रस्ताव मिलेंगे, आध्यात्मिक व धार्मिक कार्यो में आपकी रूचि बढ़ेगी, तरक्की की ऊँचाईयों पर पहुंचेंगे.

कुम्भ

आपको अपने प्रयासों और मेहनत की बदौलत अच्छी सफ्लता मिलेगी, आपका मौलिक चिंतन आगे बढ़ने में आपकी मदद करेगा, कार्यक्षेत्र में आपको निरंतर सफ्लता मिलेगी, पारिवारिक व निजी जीवन में खुशियों का अनुभव होगा, जो लोग आपके कार्य में अड़चने खड़ी कर रहे हैं, वे सभी सहयोग करेंगे, मेहनत से लाभ प्राप्त करेंगे, बड़े निवेश के लिये सभी की राय जरूरी है.

मीन

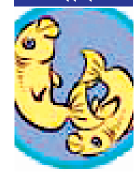

परिवार की खुशियों पर बड़ा खर्च होगा, जिसे आप पसंद करते हैं, उसके साथ कुछ समय गुजारकर खुशी मिलेगी, पारिवारिक उत्सवों में प्रसन्नता मिलेगी, उच्च अध्ययन में सफ्लता के आसार हैं, नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को सफ्लता मिलेगी, विरोधी आपकी गतिविधियों पर नजर रखेगा, कामकाज में सावधानी रखें, अपने बिखरे हुये कार्यो को समेटने में सफ्लता मिलेगी.